

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के
अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एकशन इंडिया

वर्ष: 12 अंक: 259 पृष्ठ: 12



actionindiauna@gmail.com

हिमाचल संस्करण

RNI : HPHIN/2012/48072

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड



शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह की 116वीं जयंती

के अवसर पर

आइए, उनके उच्च आदर्शों को बनाए रखने का संकल्प लें



भगवंत सिंह मान
मुख्य मंत्री, पंजाब
पंजाब वासियों के साथ
महान क्रांतिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे

राज्य स्तरीय समारोह

28 सितंबर, 2023

को सुबह 10:00 बजे

शहीद-ए-आज़म

सरदार भगत सिंह संग्रहालय एवं स्मारक,
खटकड़ कलां, शहीद भगत सिंह नगर

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब



भगवंत सिंह मान
मुख्य मंत्री, पंजाब

क्यारी गुंडाह-पांवटा बस को हरी झंडी दिखाकर उद्योग मंत्री ने किया रवाना



टीम एक्शन
इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ
उद्योग, संसदीय मामले एवं
आयुष मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने
पांवटा साहिब बस स्टैंड से क्यारी
गुंडाह-पांवटा साहिब बस को हरी
झंडी दिखाकर रवाना किया।
उद्योग मंत्री ने बस को हरी झंडी
दिखाने के उपरांत उसी बस में
यात्रियों के साथ स्तैन तक यात्रा
भी की। उद्योग मंत्री ने जानकारी
देते हुए बताया कि यह बस
क्यारी गुंडाह से पांवटा साहिब के
लिए सुबह चलेगी पांवटा साहिब
पहुंचने के उपरांत दोपहर बाद यह
बस क्यारी गुंडाह के लिए वापिस
जाएगी। उन्होंने बताया कि यह

बस क्यारी गुंडाह, मिल्ला, टिक्की,
कफेटा, कमरऊ, स्तैन से होता
हुए पांवटा साहिब पहुंचेगी तथा
इसी रूट से वापिस क्यारी गुंडाह
जाएगी। इस बस के चलने से

शिलाई विधानसभा क्षेत्र के लोग
लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया
कि क्षेत्र के लोगों द्वारा इस बस
की माँग कई वर्षों से की जा रही
थी जिसे उन्होंने लोगों की सुविधा

के लिए आज समर्पित किया। क्षेत्र
के लोगों का प्रतिनिधिमंडल पांवटा
साहिब में उद्योग मंत्री से मिला
तथा इस बस के चालू होने पर
उनका तहोदिल से आभार व्यक्त
किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री
ने कहा कि प्रदेश को सुखिवन्द
सिंह सुख्ख सरकार द्वारा समाज
के हर वर्ग का खाला रखा जा
रहा है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग
का कल्याण हमारी सरकार की
सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिलाई
क्षेत्र में विकास में कई कमी नहीं
आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि
भारी बरसात के कारण प्रदेश में
आयी आपदा ने प्रदेश में विकास
वर्षों की कमी होगी
जिससे जहां बसों की कमी होगी
वर्षों अतिरिक्त बसें उपलब्ध
करवाई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पर
77 हजार करोड़ का कर्ज है।
इसके उपरांत भी प्रदेश में विकास
की गति को कम नहीं होने दिया
जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश
सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में 10
हजार नौकरियां स्थीरकृत की हैं
इसके सुख्ख सरकार द्वारा समाज
के हर वर्ग का खाला रखा जा
रहा है। उन्होंने कहा कि हर वर्ग
का कल्याण हमारी सरकार की
सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिलाई
क्षेत्र में विकास में कई कमी नहीं
आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि
भारी बरसात के कारण प्रदेश में
आयी आपदा ने प्रदेश में विकास
वर्षों की कमी होगी
जिससे जहां बसों की कमी होगी
वर्षों अतिरिक्त बसें उपलब्ध
करवाई जाएंगी।

पैराग्लाइडिंग: 39 छात्रों के लिए एचपीकेवीएन और टीएचएससी द्वारा प्रशिक्षण आयोजित

टीम एक्शन

इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

रेडियो टाकुर के बयान पर तीव्र

प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा

प्रवक्ता जेतन ग्रामीण, बलबीर वर्मा और

विवेक शर्मा ने कहा कि कैसे सरकार

अपनी नाकामायियों का फैलाव करा

ठारंग भारी रात शक्ति पर मंड़े

रही है। भाजपा के ग्रामीण अध्यक्ष

जगत प्रकाश नहुं आपदा के समय

ग्रामीण स्वरूप से द्वितीय पहुंचने वाले

पहले नेता थे जिन्होंने मण्डी, कल्यू,

मनाली का उपरांत दोपहर बाद यह

दर्द बाटा। दोनों वाले आकर

मुख्यमंत्री सुखिवन्द रिंग सुख्ख के

साथ बैठक की ओर अपना गहरा

देखा। इसीलिए जिम्मेदारी

के लिए अचूक वाले आकर

क्षमता देखा। इसीलिए अनुरूप

पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना

था। इसीलिए अनुरूप अपनी

क्षमता देखा। इसीलिए अनुरूप

के लिए अपनी अपनी

क्षमता देखा।

वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्चे

ध्यान रखें कुछ जट्टी बातें



5 सौसम में वायरल संक्रमण की आशंका कभी बढ़ जाती है। प्रतिरोधक श्वेत कमज़ोर होने के कारण खासकर बच्चे इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं, लेकिन आप अपने बच्चे को इन संक्रमणों की चपेट में आने से बचा रहने का सकते हैं। वायरल संक्रमणों में भी गोटाव्यरस और एटरिक कापाल (आत संबंधी संक्रमण) जैसी शीमारियां बड़ी की तुलना में बच्चों के लिए अधिक गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

बच्चा अपना के ज्यादातर वायरल संक्रमण ज्यादा गंभीर नहीं होता। इनमें सॉन्टी लगना, नाक बहना, आँखों से पानी निकलना, गर्दन में खारां लगना, बुखार होना, त्वचा पर चक्कते पड़ना और ऊर्ती बदू जैसी विपरीत शीमारियां शामिल हैं। व्यापक पैदा करने पर एलांग एवं टीकाकरण के चलते खिसरा जैसे गंभीर खतरे पैदा करने वाली कुछ संक्रमक शीमारियां अब कम ही देखने को मिलती हैं।

...तो बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं

यदि आपके बच्चे में शीमारी के लक्षण एक साल में ज्यादा दिखाई दें, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यह शीरी की तरफ से स्थानीय कापाल का नाम भी अपने बच्चे को इस बारे में जानने के लिए आवश्यक है।

मलेरिया, डेंगू, टाइफोइड, विकनगुनिया, अबोकायरस आदि शीमारियों समान समूह ब्लड कॉर्ड अवक्षय जांच लेना चाहिए।

मौसम में बदलाव या भारी बारिश होने के दौरान अधिभावक अमृमत अपने बच्चों की अतिरिक्त देखभाल करते ही हैं, लेकिन वह जानना बेहद अस्त है कि बच्चों को अन्य सौसम में भी अतिरिक्त देखभाल की ज़रूरत होती है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के उपाय

भूमाल की ज़म्मदरी घैरू पैर तथा बार-बार पांचने के लिए सूती रूमाल अपने साथ रखते हैं। बच्चे बदू तक देखना करते ही हैं, जबकि इससे बच्चे बार-बार संक्रमण के संपर्क में असुरक्षित होते हैं। कपड़े के रूमाल की तुलना में भी गोड़िकेटिड रिक्लेक्यर बायप्ट और ट्रिक्यू पैपर त्वचा के लिए ज्यादा कोर्ट मालिक होते हैं और इनकी सबसे अच्छी बात यह है कि इन्हें उपयोग करने के बाद आपनी से फैल जाना चाहिए। अधिभावकों को यह भी ज्यान रखना चाहिए कि हाथों में चिपक जाने वाले हानिकारक विषाणुओं से बचाव के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी या साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इन ही नहीं बच्चों को पांसे या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रमक शीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह शू

धोने और नाखूनों की सफाई करते हुए ठिक्कत स्वच्छता बनाए रखना चाही है।

सफाई का ध्यान रखें

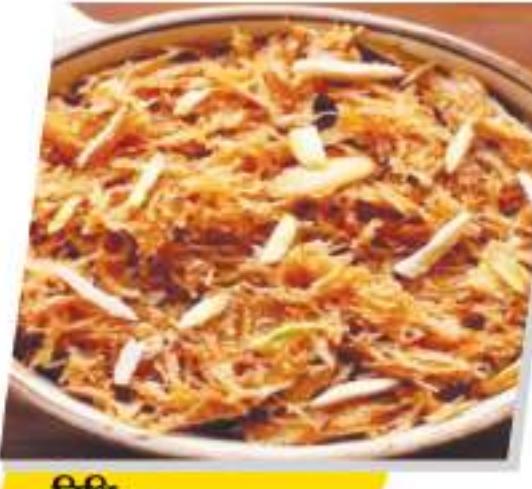
मच्छर, मक्की, खट्टगल आदि हानिकारक कौटूम्बीयों एवं विषाणुओं के सबसे महिंद्र बाहक होते हैं। बच्चे इनका सबसे आवान नियाना होते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए आपने आसाम पानी जाना नहीं होने दें। सुख और जाम के समय बच्चों को धूम से बाहर कम ही निकलने दें। अपने आस-पड़ोस में कृदा-कबाल, बेकार कंटेनर और लिङ्ग आदि जाना नहीं होने दें, बच्चों की इनमें ही मच्छरों का प्रजनन होता है।

समय पर टीकाकरण

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और शीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बाक़जूँ माता-पिता इस पहलू की अनदेखी करते हैं। बच्चों में शीमारी के लक्षण दिखाई देने पर ही अधिभावक लड़के टीकाकरण के लिए हीमिस्टिक लेने जाते हैं।

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और शीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बाक़जूँ माता-पिता के लिए बाक़ी बच्चों को एक सुखी खेल में निकलते हैं। अब नंदियों की बीटी करने के लिए बाक़जूँ बच्चों द्वारा जाता है। इसके उड़ले पर इनमें बीटी डालकर तब तक जानी की प्रक्रिया। जब लकड़ी बीटी जानी में पूरी तरह से चुन नहीं जाती। जब बीटी पानी में मूल जाप तो इनमें कुछी हुई संख्या डालकर उसे ढक दें। सेवड़ों को बांधने में 5 मिनट तक बालू जाप आज पर पड़ते हैं। इसके बाद इसमें द्रव्यांशीय पाइरेट डालकर एक बार पिंज अच्छे से 5 मिनट तक बालू जाप कर ले। 5 मिनट बाद गेस कंड करके सेवड़ों की लेट से ढक दें। बीटी दें बाद सेवड़ों की एक सर्दिंग बालू में निकलकर गरम सर्द करें।

टेसिपी



दूध की सेवड़ीयां

सामग्री

- सेवड़ी : ½ कप
- गोपी : ½ लीप्पी
- पी : 2 बड़ी तमाज़
- काजू कर्कने : 8-10
- बायाम : 8-10
- इतरयारी : 4

तिथि

सबसे पहले कामु और गायन छोटे-छोटे टुकड़े में कर ले। इसके बाद गेस रप एक कड़वी बढ़ा दें। इसमें धीं गलकर गर्म करे। पीपी गोपी होने पर इसमें सेवड़ीया डालकर उसे हल्का डालन होने तक प्राइवर करें। एक बड़ी खेल में निकलते हैं। अब नंदियों की बीटी करने के लिए बाक़ी बच्चों द्वारा जाता है। इसके उड़ले पर इनमें बीटी डालकर तब तक जानी की प्रक्रिया। जब लकड़ी बीटी जानी में पूरी तरह से चुन नहीं जाती। जब बीटी पानी में मूल जाप तो इनमें कुछी हुई संख्या डालकर उसे ढक दें। सेवड़ों को बांधने में 5 मिनट तक बालू जाप आज पर पड़ते हैं। इसके बाद इसमें द्रव्यांशीय पाइरेट डालकर एक बार पिंज अच्छे से 5 मिनट तक बालू जाप कर ले। 5 मिनट बाद गेस कंड करके सेवड़ों की लेट से ढक दें। बीटी दें बाद सेवड़ों की एक सर्दिंग बालू में निकलकर गरम सर्द करें।



ओट्स की रोटी

सामग्री

- ओट्स : ½ लीप्पी
- प्याज़ : ¼ लीप्पी
- होलीटी अंटा : 1 लीप्पी
- धनिया : 1 वड़ी
- गेल : 1 टेबलस्पून
- चिंती पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

माता-पिता भी रखें

अपना ध्यान

माता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान रखना चाहिए। यह रोटी एवं अपनी बच्चों की खाद्य स्थिति को बचाव करने के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी या साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इन ही नहीं बच्चों को पांस या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रमक शीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह शू

माता-पिता भी रखें

अपना ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बचाव से बचाव के लिए अपना भी ध्यान

पाता-पिता को बच

फास्ट | न्यूज़

अटेली मंडी में बुधवार को भी बाजरे की व्यवसायिक सरकारी खरीद हुई

नानोल। सरकार द्वारा खरीफ सीजन के शुरुआत को अटेली नानोल मंडी में बुधवार को बाजरे की सरकारी खरीद हुई। किसान अपने बाजरे को ट्रैकर द्वारा योंगे में अल सुख ही लेकर आ गये, जिस कारण नारनोल-रेवाडी मुख्य मार्ग पर दोपहर 12 बजे तक नया व पुराना बस स्टैंड पर आवागमन बाधित रहा तथा पुलिस का बाहना पड़ा। अन्य मंडी कर्कशे के बस स्टैंड के ठीक सामने होने के कारण सरकारीयों को अपने गतव्य पर आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरा लाने से नारनोल व रेवाडी मार्ग के अन्य मार्गों पर 1 किमी, लंबी कर्कशे लग गई।

अटेली कर्कशे में दोपहर 12 बजे तक आवागमन बाधित रहा, यात्राकारों को सुखाल करने के लिए बाई-बाई करना पड़ा। खरीदी जीन? की बाजरे की सरकारी खरीद व्यवसायिक खरीद आवागमनों के माध्यम से हैफैट एजेंसी 2200 रुपए प्रति विंटल के हिसाब से खरीद हो रही है। वैसे बाजरे का समर्थन मुख्य 2500 रुपए है लेकिन 300 रुपए के बाजरे को खरीद नहीं। अटेली कर्कशे में बड़ी संख्या में किसानों व ट्रैकरों व अन्य साधनों से मंडी में बाजरे को ले आने से गहमा-गहमी रही। नींदी में खरीद शुरुआत कार्यालयी आधिकारी एवं सचिव समिति देवी, साहायक सचिव संजय व वैरीग नींदी सुप्रबाइंस राकेश यादव ने अधिक संख्या में किसानों के आने से व्यवस्था को बढ़ाये रखने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

उपेन्द्र कुशवाहा ने अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली: राष्ट्रीय लोक जनता दल के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमेद कुशवाहा ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात की तरफ एस (पूर्व में दिव्यरत) पर साझा कर कुशवाहा ने लिखा कि आज उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा नेता अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिहार को राजनीतिक रिश्तों एवं आगामी लोकसभा चुनाव में की तुलना की। कुशवाहा ने कहा कि इस दौरान उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव माधव आनंद भी उपस्थित थे। जनकारों का कहना है कि दोनों नेताओं के बीच लोकसभा चुनाव में सीटों के तालमेल को लेकर चर्चा हुई है। हालांकि इस मुद्दे पर अधिकारिक रूप से भाजपा की ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले कुशवाहा ने एकस पर लिखा था कि राजद-जदयू ढाई के साथ ही नीतीश कुमार की पार्टी निपट चुकी है। इब्दी नैया पर सवार होकर कोई थोक चुनाव की तैयारी पार नहीं कर सकता है। इसलिए नीतीश सहित उनकी पार्टी के अन्य नेता झघ-झघ संपर्क में हैं।

मेजर और उसकी पती पर नाबालिंग नौकरानी को प्रताड़ित करने का आरोप लगा

नाबालिंग को कपड़े उतारकर पीटने, खून घाटने को मजबूर किया

टीम एक्शन इंडिया/दीपा हसाओ असम के रहने वाले एक मेजर और उसकी पती पर नाबालिंग नौकरानी को प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उन पर पोर्टको, एससी/एसटी एक्ट, प्रताड़िना, बाल मजदूरी और गुलामी वाराओं में केस दर्ज किया गया है। असम के रहने वाले मेजर शैलेन्द्र यादव और उनकी पत्नी ने आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि लड़की की सीढ़ियों से गिरी थी, तभी उसे चेलन से लड़ाया गई थी। जब उसकी पत्नी के रुपये के बदले उसके लिए नियमित वारानी की दिल्ली की नौकरी लिया गया है। उसकी नाबालिंग लड़की का आरोप है-मालकिन मेरे काम से खुब नहीं रहती थी। इसीलिए मुझे कमरे में बद कर देती, बाल खिंची और बेलन से पीटती थीं। जो मेरे कपड़े उतारकर तब तक पीटतीं, जब



तक मैं लहलूहान नहीं हो जाती। कई बार उन्होंने मुझे अपना खून चाटने तक को मजबूर किया। पुलिस ने बताया कि लड़की के दंत दूटे हुए हैं। शरीर पर जलने के निशान हैं। मेडिकल रिपोर्ट में

स्परियुअल टूरिज्म का धनी है उत्तर प्रदेश: योगी

प्राणी पर्यटन स्थलों पर निलेही इलेक्ट्रिक गाहनों की सुविधा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ



टीम एक्शन इंडिया/गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यटन की संभावनाओं के साथ ग्रान इवरस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सिर्फ इलेक्ट्रिक बाहनों (ई-बस व ई-रिक्षा) की सेवा उपलब्ध कराई जाए। वहां डीजल-पेट्रोल से चलने वाले बाहनों का संचलन न हो। इसके लिए निजी आपोर्टर्स को प्रोत्साहन दिया जाएगा। सीएम योगी बुधवार अपराह्न पर्यटन दिवस के अवसर पर योगियता बाबा गंधी समर्पण करने का उपरान्त योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वार्षिक पर्यटन स्थलों पर आयोजित समारोह को संबोधित करने की ओर जारी रखा गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा आल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरा लाने से नारनोल व रेवाडी मार्ग के अन्य मार्गों पर 1 किमी, लंबी कर्कशे लग गई।

अटेली कर्कशे में दोपहर 12 बजे तक आवागमन बाधित रहा, यात्राकारों को सुखाल करने के लिए बाई-बाई करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा आल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जाने तक 500 के करीब टोकन कर चुके थे। किसानों द्वारा अल सुख ही ट्रैकर द्वारा योंगे में बाजरे को सामना करना पड़ा। मालवार को देर सायं तक 300 किसानों का एक विंटल बाजार खरीद गया। मार्केट कर्कशे के कर्मचारी ने खाद्य सामान खरेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मालवार को 874 टोकन करे तथा बुधवार को सामाचार लिखे जान